भारत - यूनाइटेड किंगडम संबंध

भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच घनिष्ट एवं मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। द्विपक्षीय संबंध जिसे 2004 में सामरिक सझेदारी के रूप में स्तरोन्नत किया गया, को 2010 में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कैमरन की भारत यात्रा के दौरान और सुदृढ़ किया गया जिसके दौरान भविष्य के लिए परिवर्धित साझेदारी की नींव रखी गई। प्रधानमंत्री के रूप में अपने पहले कार्यकाल में उन्होंने भारत के साथ संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए यू के सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत करने के लिए 3 बार अर्थात 2010 में, फरवरी 2013 में और फिर नवंबर 2013 में भारत का दौरा किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 12 से 14 नवंबर, 2015 के दौरान यू के यात्रा से सबसे बड़े एवं सबसे पुराने लोकतंत्रों के बीच संबंध एक नई ऊंचाई पर पहुंच गए। इस यात्रा के दौरान दोनों प्रधानमंत्रियों ने विजन वक्तव्य का समर्थन किया जो मौलिक सिद्धांतों को प्रतिपादित करता है जिन पर यूके - भारत साझेदारी निर्मित है और यह सहयोग को गहन करने के लिए एक रोड मैप को रेखांकित करता है। दोनों प्रधानमंत्रियों ने साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री के स्तर पर द्विवार्षिक शिखर बैठकों का आयोजन करने का संकल्प किया तथा वे एक नई रक्षा एवं अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा साझेदारी के लिए राजी हुए जिसका उद्देश्य साइबर सुरक्षा, आतंकवाद की खिलाफत एवं समुद्री सुरक्षा सहित रक्षा एवं सुरक्षा पर सहयोग को गहन करना है। उन्होंने ऊर्जा एवं जलवायु परिवर्तन पर एक संयुक्त घोषणा का समर्थन किया तथा तीसरे देशों में विकास सहयोग के लिए एक वैश्विक साझेदारी के रूप द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने के लिए एक मंशा वक्तव्य भी जारी किया।

प्रधानमंत्री की यू के यात्रा के दौरान इस क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण पहलों द्वारा भारत - यू के आर्थिक भागीदारी और मजबूत हुई है। इस बात पर सहमति हुई कि लंदन शहर भारत की अवसंरचना परियोजनाओं के लिए निवेश जुटाने, अपनी पूंजी एवं विशेषज्ञता का उपयोग करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। भारत सरकार ने लंदन में पहला सरकार समर्थित रुपया बांड जारी करने की अपनी मंशा की घोषणा की तथा एच डी एफ सी, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक और यश बैंक सहित निजी क्षेत्र की अनेक संस्थाओं ने लंदन शहर के माध्यम से वित्त पोषण जुटाने की अपनी योजनाओं की घोषणा की। दोनों प्रधानमंत्रियों द्वारा बहाल किए गए भारत - यू के सीईओ फोरम की पहली बैठक बुलाई गई। भारतीय और ब्रिटिश कंपनियों के बीच 9.3 बिलियन पाउंड से अधिक मूल्य के वाणिज्यिक सौदों की घोषणा की गइ। भारत में यू के निवेश को सुगम बनाने के लिए एक फास्ट ट्रैक तंत्र स्थापित करने तथा भारत की अवसंरचना परियोजनाओं के लिए लंदन शहर के माध्यम से वैश्विक निवेश को सुगम बनाने के लिए राष्ट्रीय अवसंरचना निवेश निधि (एन आई आई एफ) के तहत एक भारत - यू के साझेदारी निधि का गठन करने का निर्णय लिया गया। यूनाइटेड

किंगडम ने इंदौर, पुणे और अमरावती में स्मार्ट शहरों के विकास में भारत के साथ साझेदारी करने में अपनी रूचि की घोषणा की है।

दोनों पक्षों द्वारा उच्च स्तर पर अनेक द्विपक्षीय यात्राएं एवं अंत:क्रियाएं हुई हैं जिसमें से वर्ष 2016 में सबसे हाल की यात्राओं में 8वीं भारत - यू के आर्थिक एवं वित्तीय वार्ता में शामिल होने के लिए जनवरी 2016 में वित्त मंत्री श्री अरूण जेतली की यू के यात्रा, 18 जनवरी, 2016 को यूनाइटेड किंगडम के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की भारत यात्रा, 16 से 19 फरवरी 2016 के दौरान यूनाइटेड किंगडम के उत्प्रवासन मंत्री जेम्स ब्रोकेनशायर की भारत यात्रा, 15 से 18 फरवरी, 2016 के दौरान यूनाइटेड किंगडम के इकोनॉमिक सेक्रेटरी टू ट्रेजरी श्री हैरिएट बाल्डविन एवं यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री के अवसंरचना के लिए विशेष दूत श्री आलोक शर्मा की भारत यात्रा और 18 एवं 19 फरवरी, 2016 को यूनाइटेड किंगडम के रक्षा प्रापण राज्य मंत्री श्री फिलिप डुन्ने की भारत यात्रा शामिल हैं।

संस्थागत वार्ताएं : भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच अनेक द्विपक्षीय वार्ता तंत्र हैं जिसके तहत राजनीति, व्यापार, शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, रक्षा आदि सहित व्यापक श्रेणी के क्षेत्र शामिल हैं। इनमें से कुछ प्रमुख वार्ता तंत्र इस प्रकार हैं : वित्त मंत्री के स्तर पर आर्थिक एवं वित्तीय वार्ता, वाणिज्य मंत्री के स्तर पर संयुक्त आर्थिक एवं व्यापार समिति, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के स्तर पर सामरिक वार्ता, विदेश सचिव के स्तर पर विदेश कार्यालय परामर्श, रक्षा सचिव के स्तर पर रक्षा परामर्श समूह, वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर साइबर एवं आतंकवाद रोधी वार्ता तथा दोनों देशों के विदेश कार्यालयों के बीच अन्य विषयपरक वार्ताएं।

अंतर संसदीय संपर्क : भारत और यूनाइटेड किंगडम की संसदों के बीच घनिष्ट संबंध हैं। दो प्रमुख राजनीतिक दलों (लेबर पार्टी और कंजर्वेटिव पार्टी) में फ्रेंड्स ऑफ इंडिया ग्रुप हैं। भारत के साथ संबंधों पर एक सर्वदलीय संसदीय समूह है। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के बैनर तले भी संसदीय आदान - प्रदान हुए हैं।

व्यापार : यूनाइटेड किंगडम भारत के प्रमुख व्यापार साझेदारों में से एक है तथा वर्ष 2014-15 के दौरान यूनाइटेड किंगडम भारत के शीर्ष 25 व्यापार साझेदारों में 18वें स्थान पर था। वाणिज्य विभाग द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, 2014-15 के दौरान द्विपक्षीय पण व्यापार 14.33 बिलियन अमरीकी डालर था जो 2013-14 की तुलना में 9.39 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है। भारत के वैश्विक व्यापार में यूनाइटेड किंगडम का शेयर 2013-14 में 2.07 प्रतिशत से घटकर 2014-15 में 1.89 प्रतिशत हो गया है। भारत की ओर से यूनाइटेड किंगडम को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से गारमेंट एवं वस्त्र, मशीनरी एवं इंस्ट्रूमेंट, पेट्रोलियम उत्पाद, फुटवियर एवं लेदर, धातुओं की बनी वस्तुएं, रत्न

एवं आभूषण, इंजीनियरिंग के सामान, परिवहन उपकरण एवं पुर्जे, मसाले, औषधियां एवं भेषज पदार्थ एवं समुद्री उत्पाद शामिल हैं। भारत द्वारा यूनाइटेड किंगडम से जिन वस्तुओं का आयात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से मशीनरी एवं उपकरण, अयस्क एवं मेटल स्क्रैप, बहुमूल्य एवं अर्ध बहुमूल्य पत्थर, चांदी, मेटल, एयरक्राफ्ट के पुर्जे, बीवरेज एवं स्पिरीट, मशीनरी, इंजीनियरिंग के सामान, तथा इलेक्ट्रानिक्स से भिन्न अन्य प्रोफेशनल इंस्ट्रूमेंट, अलौह धातुएं एवं रसायन शामिल हैं।

सेवाएं : यूनाइटेड किंगडम राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार, कलेंडर वर्ष 2014 में सेवाओं (इसमें ट्रैवल, परिवहन एवं बैंकिंग शामिल नहीं है) में भारत - यूनाइटेड किंगडम द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 2.5 बिलियन पाउंड के आसपास था। कलेंडर वर्ष 2013 में यूनाइटेड किंगडम को सेवाओं (इसमें ट्रैवल, परिवहन एवं बैंकिंग शामिल नहीं है) में भारत के निर्यात का मूल्य 1.5 बिलियन पाउंड था तथा कलेंडर वर्ष 2014 में यूनाइटेड किंगडम से सेवाओं (इसमें ट्रैवल, परिवहन एवं बैंकिंग शामिल नहीं है) में भारत के आयात का मूल्य 975 मिलियन पाउंड था

निवेश : मारीशस और सिंगापुर के बाद यूनाइटेड किंगडम 22.56 बिलियन अमरीकी डालर (अप्रैल 2000 से सितंबर 2015) के संचयी इक्विटी निवेश के साथ भारत में तीसरा सबसे बड़ा निवेशक है। अप्रैल 2000 से सितंबर 2015 की अवधि के लिए भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की दृष्टि से यूनाइटेड किंगडम जी-20 देशों में पहले स्थान है तथा कुल एफ डी आई के लगभग 9 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार है। पिछले 5 वर्षों में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश 2011-12 में 7.8 बिलियन अमरीकी डालर से घटकर 2014-15 में 1.4 बिलियन अमरीकी डालर रह गया है। यूनाइटेड किंगडम में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की परियोजनाओं के लिए भारत आज भी सबसे बड़े स्रोत बाजारों में से एक के रूप में बना हुआ है। यूनाइटेड किंगडम की '2014/15 अंदरूनी निवेश वार्षिक रिपोर्ट' में यू के व्यापार एवं निवेश (यू के टी आई) के अनुसार, भारत ने 2014-15 में यूनाइटेड किंगडम में 122 एफ डी आई परियोजनाएं शुरू की जो पिछले वर्ष की तुलना में 65 प्रतिशत अधिक है तथा यूनाइटेड किंगडम के लिए एफ डी आई का तीसरा सबसे बड़ा स्रोत बन गया जिससे 9,000 से अधिक नई नौकरियों का सृजन हुआ है। यूनाइटेड किंगडम के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार, यूनाइटेड किंगडम में भारतीय एफ डी आई का मूल्य 2004 से 2013 की अवधि में 164 मिलियन पाउंड से बढ़कर 1.9 बिलियन पाउंड हो गया है। यूनाइटेड किंगडम शेष यूरोपीय संघ की तुलना में अधिक भारतीय निवेश आकर्षित करता है।

आर्थिक वार्ता : द्विपक्षीय तंत्र जैसे कि भारत - यूनाइटेड किंगडम आर्थिक एवं वित्तीय वार्ता (ई एफ डी) और भारत - यूनाइटेड किंगडम संयुक्त आर्थिक एवं व्यापार समिति (जे ई टी सी ओ) दोनों देशों के बीच संस्थानिक भागीदारी के आधार हैं। भारत - यूनाइटेड किंगडम आर्थिक

एवं वित्तीय वार्ता (ई एफ डी) भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच आर्थिक एवं वित्तीय संबंध को सुदृढ़ करने के लिए दोनों देशों के वित्त मंत्रियों के बीच एक करार पर हस्ताक्षर के माध्यम से फरवरी 2005 में औपचारिक रूप से स्थापित हुई थी। वित्त मंत्री श्री अरूण जेतली और यूनाइटेड किंगडम के राजकोष चांसलर श्री जार्ज ओस्बॉर्न की सह अध्यक्षता में भारत - यूनाइटेड किंगडम आर्थिक एवं वित्तीय वार्ता (ई एफ डी) की आठवीं बैठक ने वित्तीय सेवा क्षेत्र में सहयोग के नए अवसरों का पता लगाया। वार्ता के तहत वैश्विक आर्थिक चुनौतियों, सूक्ष्म आर्थिक जोखिमों तथा नीतिगत प्रत्युत्तरों, अवसंरचना वित्त पोषण एवं वित्तीय सेवाओं पर चर्चा हुई। यूनाइटेड किंगडम सरकार स्मार्ट शहर, नवीकरणीय ऊर्जा एवं रेलवे सहित प्रमुख क्षेत्रों में भारत में प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं की डिलीवरी की मदद करने के लिए सहमत हुई, जो सभी भारत के भावी आर्थिक विकास के लिए आवश्यक हैं। भारत और यूनाइटेड किंगडम दोनों ने भारतीय कंपनियों द्वारा लंदन में रुपया बांड जारी करने की संभावना का स्वागत किया और वे इस बात पर सहमत हुए कि सार्वजनिक क्षेत्र में ऐसा पहला निर्गम भारतीय रेल वित्त निगम द्वारा किया जाएगा। दोनों पक्ष भारत और ब्रिटेन में प्रमुख फिन - टेक समुदायों के बीच लिंक को पर्याप्त रूप से सुदृढ़ करने पर सहमत हुए तथा दोनों देशों के बीच हाई प्रोफाइल फिन - टेक व्यापार मिशन तथा सूक्ष्म उद्यमों के लिए वित्त पोषण तक पहुंच जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को शामिल करते हुए डिजीटल इंडिया का साकार करने के लिए यूनाइटेड किंगडम की फिन - टेक कंपनियों की दिशा में प्रमुख कदमों के लिए महत्वपूर्ण संयुक्त प्रतिबद्धताएं की।

2 नवंबर, 2015 को लंदन में आयोजित भारत - यूनाइटेड किंगडम वित्तीय साझेदारी (आई यू के एफ पी) की पिछली बैठक में यह निर्णय लिया गया कि साझेदारी के तहत निम्नलिखित कार्य धाराओं पर बल दिया जाएगा - कारपोरेट बांड बाजार का विकास, वित्तीय क्षेत्रों एवं बाजार विनियमन पर विशेषज्ञता का परस्पर आदान - प्रदान (शुरू में भारत के इनसाल्वेंसी रेगुलेशन पर बल दिया जाएगा), पेंशन, अवसंरचना वित्त पोषण, वित्तीय समावेशन, रुपए का अंतर्राष्ट्रीयकरण, वित्तीय एवं बीमा सेवाओं का सीमा पारीय प्रावधान (शुरू में पुनर्बीमा पर बल दिया जाएगा), वित्तीय प्रशिक्षण एवं अर्हता और विनिवेश बढ़ाना।

भारत - यूनाइटेड किंगडम संयुक्त आर्थिक एवं व्यापार समिति (जे ई टी सी ओ) एक व्यवसाय चालित संस्थानिक रूपरेखा का प्रतिनिधित्व करती है जिसे एक सामरिक आर्थिक संबंध का विकास करने के लिए 13 जनवरी 2005 को स्थापित किया गया था। वैकल्पिक तौर पर दिल्ली एवं लंदन में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (सी आई एम) तथा व्यवसाय, नवाचार एवं कौशल (बी आई एस) राज्य मंत्री के नेतृत्व में भारत - यूनाइटेड किंगडम संयुक्त आर्थिक एवं व्यापार समिति की हर साल बैठक होती है। भारत - यूनाइटेड किंगडम संयुक्त आर्थिक एवं व्यापार समिति की 10वीं बैठक 19 जनवरी, 2015 को लंदन में हुई थी जिसमें शिक्षा एवं कौशल विकास, स्मार्ट शहर एवं प्रौद्योगिकीय साझेदारी, उन्नत विनिर्माण

एवं इंजीनियरिंग के विषयों पर गठित तीन कार्य समूहों में रचनात्मक चर्चा के लिए उद्योग एवं सरकार दोनों के हितधारकों ने शिरकत की।

शिक्षा : शिक्षा भारत - यूनाइटेड किंगडम द्विपक्षीय संबंध का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। भारत - यूनाइटेड किंगडम शिक्षा फोरम, भारत - यूनाइटेड किंगडम शिक्षा एवं अनुसंधान पहल (आई यू के ई आर आई), शिक्षा पर संयुक्त कार्य समूह, न्यूटन - भाभा निधि और छात्रवृत्ति स्कीमों जैसे द्विपक्षीय तंत्रों की शुरूआत के माध्यम से पिछले 10 वर्षों में संबंधों में काफी वृद्धि हुई है। नवंबर 2015 में प्रधानमंत्री मोदी की यूनाइटेड किंगडम की यात्रा के दौरान शिक्षा के संबंध में निम्नलिखित घोषणाएं की गई हैं :

(i) 2016 भारत - यूनाइटेड किंगडम शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार वर्ष होगा;

(ii) स्कूल स्तर पर वर्चुअल साझेदारी शुरू की जाएगी ताकि दोनों देशों के युवा एक - दूसरे के देश की स्कूल प्रणाली का अनुभव प्राप्त कर सकें और संस्कृति, परंपराओं तथा सामाजिक एवं पारिवारिक प्रणालियों को समझ सकें।

(iii) यूनाइटेड किंगडम ने यह योजना बनाई है कि 2020 तक यूनाइटेड किंगडम के 25,000 छात्र जेनरेशन यूनाइटेड किंगडम - भारत कार्यक्रम के माध्यम से भारत जाएंगे, जिसमें 2020 तक भारत में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के साथ 1000 यू के इंटर्न शामिल हैं।

(iv) भारत - यूनाइटेड किंगडम शिक्षा एवं अनुसंधान पहल के तीसरे चरण का श्रीगणेश।

(v) यूनाइटेड किंगडम एवं भारत की अर्हताओं को परस्पर मान्यता प्रदान करने की प्रतिबद्धता।

बर्मिंघम विश्वविद्यालय, वारविक विश्वविद्यालय, नॉटिंघम विश्वविद्यालय और लीसेस्टर विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर सहित एक विशाल शैक्षिक शिष्टमंडल के साथ व्यवसाय, नवाचार एवं कौशल राज्य मंत्री साजिद जाविद और विश्वविद्यालय एवं विज्ञान मंत्री जो जॉनसन ने 9 से 11 दिसंबर 2015 के दौरान दिल्ली, हैदराबाद, मुंबई एवं बंगलौर का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान भारत - यूनाइटेड किंगडम शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार वर्ष 2016 लांच करने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मानव संसाधन विकास मंत्री, वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों एवं संकाय सदस्यों, स्कूल एवं कॉलेज के प्रधानाचार्यों, शिक्षा एजेंटों, छात्रों, कारोबारी संगठनों एवं मीडिया ने भाग लिया।

भारतीय छात्र : यूनाइटेड किंगडम परंपरागत रूप से अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए मनपसंद गंतव्य रहा है। प्रबंध, संगणन, इंजीनियरिंग, मीडिया अध्ययन, कला एवं डिजाइन भारतीय छात्रों के मनपसंद पाठ्यक्रम हैं। इस समय यूनाइटेड किंगडम में तकरीबन 20,000 भारतीय छात्र अवर स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की पढ़ाई कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में

यूनाइटेड किंगडम के विश्वविद्यालयों में नामांकन कराने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में लगभग 50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इसका एक कारण यह है कि पुराना टियर 1 अध्ययन पश्चात वर्क रूट 2012 में बंद हो गया है। यूनाइटेड किंगडम सरकार द्वारा जो परिवर्तन किए गए हैं उनके तहत यह अनिवार्य हो गया है कि गैर ई यू छात्र यूनाइटेड किंगडम में बने रहने में केवल तभी समर्थ होंगे जब वे कम से कम 20,800 पाउंड के वार्षिक वेतन के साथ या जाब के लिए प्रचलित दर पर कोई स्नातक स्तरीय जाब प्राप्त कर लेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी का नवंबर 2015 में यूनाइटेड किंगडम की यात्रा के दौरान 2016 को भारत - यूनाइटेड किंगडम शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार वर्ष के रूप में घोषित किया गया जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच आज तक की उपलब्धियों का जश्न मनाना, जायजा लेना और अगले दशक के लिए महत्वपूर्ण साझेदारी के परिवर्तनकारी भविष्य की योजना बनाने के लिए इस अभियान का उपयोग करना है। जिन गतिविधियों पर सहमति हुई है उनमें निम्नलिखित शामिल हैं : भारत में यूनाइटेड किंगडम के छात्रों की गतिशीलता में मदद करने के लिए टी सी एस द्वारा प्रायोजित 12 माह का इंटर्नशिप सहित जेनरेशन भारत - यूनाइटेड किंगडम के तहत नियोजन; यू के आई ई आर आई चरण 3 की शुरूआत; भारत और यूनाइटेड किंगडम में 40 न्यूटन - भाभा पीएचडी छात्रों का नियोजन; शैक्षिक सम्मेलन; वैश्विक पहल शैक्षिक नेटवर्क के तहत भारत में पढ़ाने के लिए यूनाइटेड किंगडम के शिक्षाविद। वर्ष के लिए कार्यक्रम का चर्मोत्कर्ष दिल्ली में प्रौद्योगिकी शिखर बैठक 2016 के रूप में होगा जिसमें यूनाइटेड किंगडम साझेदार देश के रूप में होगा।

वैश्विक शैक्षिक नेटवर्क पहल (जी आई ए एन) उच्च शिक्षा में एक नया नेटवर्क है जिसका उद्देश्य समर / विंटर टर्म के दौरान भारत में उच्च शिक्षा संस्थाओं के साथ उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रख्यात वैज्ञानिकों एवं शिक्षाविदों के प्रतिभा पूल का उपयोग करना है ताकि देश के विद्यमान शैक्षिक संसाधनों में वृद्धि हो सके, गुणवत्ता सुधार की गति बढ़ सके और भारत की वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय क्षमता वैश्विक स्तर की हो सके। प्रधानमंत्री मोदी का नवंबर 2015 में यूनाइटेड किंगडम की यात्रा के दौरान जी आई ए एन के अंग के रूप में अगले दो शैक्षिक वर्षों में भारत में 100 शिक्षाविदों को भेजने की यूनाइटेड किंगडम की योजना की पुष्टि के लिए घोषणा की गई। जी आई ए एन को मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा 30 नवंबर, 2015 को आई आई टी गांधीनगर में और उसी समय वेबकास्ट के माध्यम से आई आई टी खड़गपुर में भी राष्ट्रीय स्तर पर लांच किया गया। आज तक की स्थिति के अनुसार विदेशी संकाय के साथ भागीदारी के लिए 337 पाठ्यक्रम अनुमोदित किए गए हैं तथा 337 विदेशी संकाय सदस्यों में से 31 यूनाइटेड किंगडम से हैं।

सांस्कृतिक सहलग्नताएं : भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच सांस्कृतिक सहलग्नताएं गहरी एवं व्यापक हैं जो दोनों देशों के बीच साझे इतिहास से उत्पन्न हुई हैं। भारतीय संस्कृति क्रमिक रूप से मुख्य धारा में शामिल होती जा रही है तथा भारतीय व्यंजनों, सिनेमा, भाषाओं, धर्म, दर्शन, अभिनय कला आदि का समावेशन हो रहा है। यूनाइटेड किंगडम में अनेक भारतीय सांस्कृतिक संगठन हैं जो भारतीय डायसपोरा, ब्रिटिश संगठनों एवं लोगों को शामिल करके भारतीय संस्कृति का सक्रियता से प्रचार - प्रसार कर रहे हैं। नेहरू केंद्र यूनाइटेड किंगडम में भारतीय उच्चायोग का सांस्कृतिक प्रकोष्ठ है जिसकी स्थापना 1992 में हुई है तथा इस समय यह विदेश में आई सी सी आर के महत्वपूर्ण सांस्कृतिक केंद्रों में से एक है। भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच सांस्कृतिक सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन भी है जिस पर अक्टूबर 2014 में मत्री स्तर पर हस्ताक्षर किए गए हैं जो अक्टूबर 2019 के अंत तक प्रभावी है।

नवंबर 2015 में प्रधानमंत्री मोदी की यूनाइटेड किंगडम की यात्रा के दौरान, दोनों प्रधानमंत्रियों ने यह घोषणा की कि हमारे गहरे सांस्कृतिक संबंधों का जश्न मनाने तथा भारत की आजादी की 70वीं वर्षगांठ मनाने के लिए 2017 में यूनाइटेड किंगडम - भारत संस्कृति वर्ष का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने ब्रिटिश पुस्तकालय तथा भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार में भंडारित साझे पुरातात्विक संग्रहों के डिजिटीकरण का समर्थन करने की भी प्रतिबद्धता की।

भारतीय समुदाय : यूनाइटेड किंगडम में भारतीय समुदाय देश के सबसे बड़े जातीय अल्पसंख्यक समुदायों में से एक है तथा 2011 की जनगणना के अनुसार यूनाइटेड किंगडम में भारतीय मूल के व्यक्तियों की संख्या 1.5 मिलियन के आसपास है जो कुल आबादी के लगभग 1.8 प्रतिशत के बराबर है तथा देश की जी डी पी में 6 प्रतिशत का योगदान कर रहा है। नवंबर 2015 में प्रधानमंत्री मोदी की यूनाइटेड किंगडम की यात्रा के दौरान 13 नवंबर, 2015 को वेम्बले स्टेडियम में एक सामुदायिक स्वागत समारोह का आयोजन किया गया था जिसमें भारतीय मूल के 60,000 से अधिक व्यक्तियों ने भाग लिया था। इस स्वागत समारोह को ब्रिटिश प्रधानमंत्री के साथ माननीय प्रधानमंत्री द्वारा संयुक्त रूप से संबोधित किया गया। 16 अगस्त, 2015 को समुदाय के प्रख्यात नेताओं एवं भारतीय संघों के सहयोग से मिशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह काफी सफल रहा जिसमें 12,000 से अधिक व्यक्तियों ने भाग लिया था। मिशन ने विदेश मंत्री के साथ लाइव वीडियो वार्ता के साथ 9 जनवरी, 2016 को प्रवासी भारतीय दिवस - 2016 का भी आयोजन किया। 9 जनवरी, 2016 को शाम में प्रस्तुति / स्वागत का आयोजन किया गया जिसमें समुदाय के लगभग 150 प्रख्यात नेताओं ने शिरकत की। मिशन भारत - यूनाइटेड किंगडम संबंध को आगे ले जाने के बारे में उनकी सलाह लेने के लिए भारतीय समुदाय से संपर्क बनाए हुए है।

उपयोगी संसाधन :

(i) भारतीय उच्चायोग, लंदन की वेबसाइट :
http://www.hcilondon.in

(ii) भारतीय उच्चायोग, लंदन का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/pages/High-Commission-of-India-LondonUK/136451336470879?sk=wall

(iii) भारतीय उच्चायोग, लंदन का ट्विटर लिंक :
https://twitter.com/HCI_London

(iv) यूनाइटेड किंगडम की यात्रा - प्रधानमंत्री की यूनाइटेड किंगडम की यात्रा के मुख्य अंश
http://www.mea.gov.in/in-focus-article.htm?26066/The+United+Kingdom+Visit++Highlights+of+Prime+Ministers+Visit+to+United+Kingdom

***

फरवरी, 2016